



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION
(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

23 अगस्त 2024

अंतर्राष्ट्रीय जमा बीमाकर्ता संघ (IADI) एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय समिति (APRC) इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की मेजबानी निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (DICGC) द्वारा 12-14 अगस्त, 2024 को जयपुर में की गई

डीआईसीजीसी ने 12-14 अगस्त, 2024 को जयपुर में आईएडीआई-एपीआरसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। स्विट्जरलैंड के बेसल में स्थित आईएडीआई जमा बीमा प्रणालियों के लिए वैश्विक मानक-निर्धारक है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विकासशील वित्तीय परिदृश्य और जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों के संदर्भ में जमा बीमा और वित्तीय सुरक्षा कवच ढांचे के लिए चुनौतियों, निहितार्थों और दृष्टिकोण पर विचार-विमर्श करना और संकट की तैयारी और प्रबंधन नीति के व्यापक महत्व पर विचार-विमर्श करना था।

सम्मेलन में आईएडीआई और एपीआरसी सचिवालय के प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों, 12 देशों के केंद्रीय बैंक में जमा बीमा एजेंसियों/जमा बीमा विभाग के सीईओ और अधिकारी, भारत और विदेश के प्रतिष्ठित वक्ता, पैनलिस्ट और पैनेल मॉडरेटर, भारत के चुनिंदा प्रमुख बैंकों के वरिष्ठ आमंत्रित सदस्य, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) और डीआईसीजीसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

डॉ. माइकल डी. पात्र, उप गवर्नर, आरबीआई और अध्यक्ष, डीआईसीजीसी ने 'जमा बीमाकर्ताओं के लिए उभरती चुनौतियों का सामना करना और संकट की तैयारी को मजबूत करना'¹ पर अपना मुख्य भाषण दिया। उन्होंने संकेत दिया कि वैश्विक वित्तीय परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। तेज भुगतान प्रणाली, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और टोकनाइज्ड जमा सहित नवाचार अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी लाते हैं। जमा लेने वाले संस्थानों की विफलता का प्रबंधन करने की क्षमता बढ़ाने और संभावित संक्रमण के प्रभावों को कम करने की क्षमता बढ़ाने वाली संकट की तैयारी को बढ़ाने की आवश्यकता का आह्वान करते हुए, उन्होंने वित्तीय परिदृश्य में इन विवर्तनिक (टेक्टोनिक) बदलावों के बीच वित्तीय सुरक्षा कवच दाताओं को वक्र से आगे रहने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने चर्चा की कि कैसे वितरित खाता बही (लेजर) और टोकनाइजेशन जैसी तकनीकी प्रगति पैसे और जमा लेने में बदलाव ला रही है और कुछ संभावित चुनौतियों और जोखिमों पर प्रकाश डाला; फिनटेक में भविष्य के विकास और जमा बीमा और भविष्य की वित्तीय प्रणालियों के रूप में 'फिनटरनेट'-कई परस्पर वित्तीय पारिस्थितिकी प्रणालियों की एक व्यवस्था पर इसके प्रभाव की चर्चा की।

¹ मुख्य भाषण का पूरा पाठ (https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/Keynote_IADI_APRC2024.pdf) पर उपलब्ध है।



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

पहले पैनल ने 'डिजिटल करेंसी युग में जमा बीमा' पर जमा बीमा और वित्तीय स्थिरता के संदर्भ में डिजिटल नवाचार, विशेष रूप से सीबीडीसी के लाभों और चुनौतियों का पता लगाया। 'टोकनाइज्ड जमा' पर दूसरे पैनल ने जांच की कि कैसे टोकनाइज्ड जमा की अनूठी विशेषताओं को मौजूदा जमा बीमा ढांचे में अनुकूलन की आवश्यकता हो सकती है। 'जमा बीमाकर्ता और जलवायु परिवर्तन से संबंधित वित्तीय जोखिम' पर तीसरे पैनल ने वित्तीय स्थिरता और जमा बीमा पर जलवायु से संबंधित वित्तीय जोखिमों के प्रभाव को समझने के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। 'जमा बीमा के लिए संकट की तैयारी में वृद्धि और प्रबंधन नीतियां: जमा बीमाकर्ताओं से केस स्टडीज' पर चौथे पैनल ने जमा बीमाकर्ताओं और आरबीआई से केस स्टडीज प्रस्तुत कीं।

दूसरे दिन की शुरुआत आरबीआई के उप गवर्नर श्री स्वामीनाथन जे द्वारा 'उभरते वित्तीय प्रौद्योगिकी परिदृश्य में वित्तीय स्थिरता'² पर एक वार्ता के साथ हुई। उन्होंने अन्य बातों के साथ-साथ कहा कि तकनीकी नवाचारों द्वारा संचालित परिवर्तन, डिजिटल भुगतान प्रणालियों के माध्यम से वित्तीय बाजारों का गहरा होना, और बचत व निवेश व्यवहार में बदलते पैटर्न, वित्तीय संस्थानों के संचालन और उभरते जोखिमों का जवाब देने के तरीके को नया रूप दे रहे हैं। बढ़ी हुई निगरानी, जोखिम-आधारित प्रीमियम, पर्यवेक्षी रेटिंग पर निर्भरता, तेजी से दावा निपटान और उद्योग सहयोग सहित एक सक्रिय, जोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाकर - जमा बीमाकर्ता इन जोखिमों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकते हैं।

आरबीआई के उप गवर्नर श्री एम राजेश्वर राव ने 'जमा बीमा: बदलते समय के साथ तालमेल'³ पर समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सीबीडीसी, टोकनयुक्त जमा या फिनटरनेट जैसी भविष्य की वित्तीय प्रणालियों सहित वित्तीय सेवाओं में तेजी से हो रहे नवाचारों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से संबंधित जोखिमों के कारण वैश्विक वित्तीय परिदृश्य में बदलाव आने की संभावना है और परिणामस्वरूप में डिपॉजिट इंश्योरेंस फंक्शन में भी बदलाव आएगा। दावों के त्वरित भुगतान पर जोर देते हुए उन्होंने छोटे जमाकर्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों आदि जैसे समाज के कुछ वर्गों के लिए वैकल्पिक लक्षित बीमा दृष्टिकोण की आर्थिक व्यवहार्यता की जांच करने का सुझाव दिया।

² भाषण का पूरा पाठ

(https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/SpeechBy_ShriSwaminathanJ_DeputyGovernor_RBI.pdf) पर उपलब्ध है।

³ समापन भाषण का पूरा पाठ

(https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/ValedictoryAddrBy_MRajeshwarRao_DeputyGovernor_RBI.pdf) पर उपलब्ध है।

प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION
(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>
Website: www.dicgc.org.in
ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

सम्मेलन का समापन डीआईसीजीसी के मुख्य महाप्रबंधक श्री अनूप कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

(पवनजीत कौर ऋषि)
उप महाप्रबंधक

प्रेस प्रकाशनी : 2024-2025/11



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

August 23, 2024

International Association of Deposit Insurers (IADI) Asia-Pacific Regional Committee (APRC) International Conference hosted by Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation (DICGC) on August 12-14, 2024, in Jaipur

The DICGC hosted the IADI- APRC International Conference on August 12-14, 2024, in Jaipur. The IADI based in Basel, Switzerland is the global standard-setter for deposit insurance systems. The principal objective of the Conference was to deliberate on the challenges, implications and outlook for deposit insurance and the financial safety net framework in the context of evolving financial landscape and climate-related financial risks, and the overarching significance of crisis preparedness and management policy.

The Conference was attended by distinguished representatives of the IADI and the APRC Secretariat, CEOs and officials of deposit insurance agencies/deposit insurance department in the central bank from 12 countries, eminent speakers, panelists and panel moderators from India and abroad, senior invitees from select major banks in India, senior officials from the Reserve Bank of India (RBI) and DICGC.

Dr. Michael D. Patra, Deputy Governor, RBI and Chairman, DICGC gave his keynote speech on 'Navigating Emerging Challenges for Deposit Insurers and Fortifying Crisis Preparedness'⁴. He indicated that the global financial landscape is changing rapidly. Innovations including fast payment systems, central bank digital currencies (CBDCs) and tokenised deposits bring opportunities as well as challenges. While calling for the need for enhanced crisis preparedness that enhance ability to manage the failure of deposit taking institutions, mitigate potential contagion effects, he exhorted financial safety net providers to stay ahead of the curve amidst these tectonic shifts in the financial landscape.

Speakers discussed how technological advances such as distributed ledgers and tokenization are changing money and deposit-taking and highlighted some of the potential challenges and risks; futuristic Developments in Fintech and its impact on deposit insurance and 'Finternet'- a set-up of multiple interconnected financial ecosystems - as the future financial systems.

The first Panel on 'Deposit Insurance in the Digital Currency Era' explored the benefits and challenges of digital innovation, particularly CBDCs, in the context of deposit insurance and financial stability. Second Panel on 'Tokenised Deposits' examined how the unique characteristics of tokenized deposits may require adaptations in the existing deposit insurance frameworks. Third Panel on 'Deposit Insurers and Climate Change-

⁴ The full text of the keynote speech is available at (https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/Keynote_IADI_APRC2024.pdf).



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम
DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION
(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

Related Financial Risks' deliberated on ongoing efforts to understand the impact of climate-related financial risks on financial stability and deposit insurance. Fourth Panel on 'Enhancements in Crisis Preparedness and Management Policies for Deposit Insurance: Case Studies from Deposit Insurers' presented case studies from deposit insurers and the RBI.

The second day began with a talk on 'Financial Stability in the Emerging Financial Technology Landscape'⁵ by Shri Swaminathan J, Deputy Governor, RBI. He said *inter alia* that transformations driven by technological innovations, the deepening of financial markets through digital payment systems, and shifting patterns in savings and investment behaviour, are reshaping how financial institutions operate and respond to emerging risks. By adopting a proactive, risk-based approach including enhanced oversight, risk-based premiums, reliance on supervisory ratings, faster claim settlements, and industry collaboration - deposit insurers can effectively manage these risks.

Shri M Rajeshwar Rao, Deputy Governor, RBI gave the valedictory address on 'Deposit Insurance: Keeping Pace with the Changing Time'⁶. He said given the rapid innovations in the financial services including CBDCs, tokenised deposits or the future financial systems like Finternet, as well as climate change related risks are likely to change the global financial landscape and in turn transform the deposit insurance function. While laying emphasis on prompt claim payment, he suggested to examine economic viability of alternate targeted insurance approach for certain sections of society like small depositors, senior citizens etc.

The Conference ended with the Vote of Thanks by Shri Anup Kumar, Chief General Manager, DICGC.

(Pawanjeet Kaur Rishi)
Deputy General Manager

Press Release: 2024-2025/11

⁵ The full text of the speech is available at
(https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/SpeechBy_ShriSwaminathanJ_DeputyGovernor_RBI.pdf).

⁶ The full text of the valedictory address is available at
(https://www.dicgc.org.in/pdf/2024/Publications/ValedictoryAddrBy_MRajeshwarRao_DeputyGovernor_RBI.pdf).